त्स्याः शतसहस्रशः॰ 2) submergere, lavare. MAH. 3. 8514.: आप्लुत्य गात्राणि॰ Se submergere, se lavare. MAN. 11. 202.: सचेलः ... आप्लुत्य॰ — आप्लुत qui se submersit, se lavavit. IN. 1. 20.: गङ्गायाम् आप्लुतः; 2. 5.: अनाप्लुतैस् तीर्थेषु॰ *TROP.* N. 18. 12. 22. 29.: व्यसनाप्लुत in calamitate submersus. — *Cum acc. loci* se immergere. MAN. 5. 77.: सवासा जलम् आप्लुत्य॰ — *Caus.* 1) facere ut alqs se lavet. MAH. 1. 7334.: कृष्णाम् आप्लाव्य॰ 2) humectare. MAN. 3. 244.: अन्नाद्यम् ... आप्लाव्य वारिणा॰ *TROP.* 11. 97. 3) transsilire (v. प्लु sens. 3.). R. Schl. I. 16. 24.: आप्लावेयुर् महार्णवान् (वानराः)॰

c. आ praef. सम् irrigare. N. 4. 13.: समाप्लुताभ्यान् नेत्राभ्यां शोकजेना ऽथ वारिणा॰

c. उत् subsilire. HIT. 27. 13. 111. 4. RITU-S. 1. 18.

c. उप perfundere, obruere; invadere, irruere. R. Schl. II. 7. 13.: उपप्लुतम् अघौघेन; MAN. 4. 118.: चौरैर् उपप्लुते ग्रामे; RAGH. 10. 5.: देवाः पौलस्त्योपप्लुताः (Schol. रावणेनोपद्रुताः); 14. 64.

c. परि circumfluere. MAH. 3. 12884.: पृथिवी ... सलिलौघपरिप्लुता; N. 24. 7.: अश्रुपरिप्लुतः; 24. 46.: शोकपरिप्लुतः॰

c. परि praef. अभि *id.* M. 9.

c. वि 1) circumagi. HIT. 79. 10.: अकर्णधारा जलधौ विप्लवेते ऽह नौर् इव॰ 2) confundi. MAH. 2. 1429.: विप्लुताचा ऽस्य ... बुद्धिः; 1430.: तस्य विप्लवते बुद्धिः॰ 3) concumbere *cum aliquâ,* विप्लुत qui concubuit. MAN. 8. 277.: ब्राह्मण्या गुप्तया सह विप्लुतौ (वैश्यपार्थिवौ); 2. 249.: अविप्लुतः॰ — *Caus.* divulgare, profanare *arcanum.* MAN. 11. 198.: वेदम् विप्लाव्य (Schol. अनध्याप्यं वेदम् अध्याप्य)॰

c. सम् 1) confluere. BH. 2. 46.: उदपाने सर्वतः सम्प्लुतोदके॰ 2) perfundere, obruere, implere. A. 2. 12.: हर्षसम्प्लुतम्॰ — *Caus.* inundare. R. Schl. I. 44. 34.: गङ्गा सम्प्लावयामास यज्ञवटम्॰

1. प्लुष् 1. et 4. *P.* urere. RAM. II. 79. 20.: अग्निप्लुष्ट॰ *V.* प्रुष् *et cf.* प्लुस्॰

c. उत् comburere. RITU-S. (Lass.) 1. 22.: वनदाहोत्प्लुष्टशस्पप्ररोहाः ... वनान्ताः॰

2. प्लुष् 9. *P.* 1) i. q. प्रुष् cl. 9. 2) urere. BHATT. 20. 34.: पापम् प्लुष्णातु वा ऽनलः; 20. 37.: मा प्लुषाण वह्ने॰

प्लुस् 4. *P.* (दाहविभागयोः *K.* दाहविभागे *V.*) urere, distribuere. *V.* प्लुष्॰

प्लेव् 1. *A.* (सेवने *K.* सेवे *V.*) servire, ministrare, colere, venerari. *Cf.* पेव्, मेव्॰

प्सा 2. *P.* (भक्षणे) edere. BHATT. 15. 6.: मांसम् अप्सासीत्॰ (Cf. भस्, unde in dialecto vêd. forma reduplicata बप्स्, v. Westerg.; germ. vet. *spîsa* cibus.)

प्सान *n.* (r. प्सा s. अन) cibus. AM.

फ

फक्क् 1. *P.* (नीचैर्गतौ *K.* असद्व्यवहारे शनैर्गतौ *V.*) repere, tarde incedere, improbe agere.

फण् 1. *P.* (गतौ) ire, se movere. — *Caus.* 1) फणयामि facere ut alqs se moveat. 2) फाणयामि pingue lactis auferre. K.: फाणयति दुग्धम् «*he skims the milk*».

फण *m. n.* (r. फण् s. अ) crista expansa in collo serpentis Cobra di Capella dicti. RAGH. 10. 7. 12. 98. RITU-S. 1. 13.

फणा *f.* (*fem.* praec.) *id.*

फणिन् *m.* (a फण vel फणा s. इन्) serpens. RITU-S. 1. 13. 18.

1. फल् 1. *P.* findi, dirumpi, dissilire. R. Schl. II. 61. 9.: हृदयम् मे ... फलती ऽदं सहस्रधा; 64. 21.: फलेन् मूर्धाच ते राजन् सद्यः शतसहस्रधा; DEV. 3. 7.: तस्याः खड्गो भुजम् प्राप्य पफाल॰ — *Part. pass.* फुल्ल (PAN. VIII. 2. 55.) *per assimil. e* फुल्न, *attenuato* अ *in* उ, *cf.* फुल्ल्॰

c. उत् उत्फुल्ल expansus, late apertus; *e. c.* उत्फुल्ललोचन॰ IN. 2. 26. BR. 3. 21. — *Caus.* distendere, diducere, late aperire, *e. c. oculos.* H. 3. 16.: उत्फाल्य विपुले नेत्रे॰